प्रो० रणंजय कुमार
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
V.S.J. महाविद्यालय
राजनगर (मधुबनी)

B.Com. (Hons)
P3 - A/cs & finance group.
Paper - VI
Cost & Management Accounting.

Date - 23.07.2020.

UNIT - II
TOPIC - SPECIMEN OF CONTRACT ACCOUNT.

जब ठेका पूर्ण हो गया (Completed)

CONTRACT ACCOUNT
CONTRACT A/c No......
For the year ended.......

Dr. / Cr.

Date	Particulars	Amount ₹.	Date	Particulars	Amount ₹.
	To Materials Purchased	xx		By Materials returned to store.	xx
	To Materials Issued from store.	xx		By Materials Transferred to other contract	xx
	To Materials Transferred from other contract.	xx		By Materials at Site	xx
	To Wages. x ADD - outstanding wages x	xx		By P/L A/C. (Materials / Plant lost or Damage.)	xx
	To Indirect Expenses	xx		By Contractee's Personal A/c.	xx
	To Plant issued	xx			
	To Sub-Contract cost.	xx			
	To P/L A/c. (प्रॉफिट)	xx			
	₹.	xx		₹.	xx

Scanned with CamScanner

जब ठेका अपूर्ण हो
(Incompleted)

CONTRACT ACCOUNT
CONTRACT A/c No....
for the year ended......

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
	To Materials Purchased	x		By Materials returned to store	x
	To Materials Issued from stores	x		By Materials transferred to other contracts	x
	To Materials Transferred from other contract	x		By Materials at site	x
	To Wages x Add- outstanding wages x	x		By Plant at site	x
	To Direct Expenses	x		By P/L A/c (Materials / Plant (Lost or Damage))	x
	To Plant issued	x		By Work-in-Progress A/c:-	
	To Sub-contract cost	x		Work Certified	x
	To Cost of Extra Work done	x		Work Uncertified	x
	To Balance c/d (Profit)				
	₹	xx		₹	xx
	To P/L A/c			By Balance b/d	
	To Work-in-Progress A/c (Reserve)				

Scanned with CamScanner

अपूर्ण ठेके की स्थिति में सम्पूर्ण लाभ का कुछ भाग लाभ-हानि खाते में क्रेडिट किया जाता है एवं कुछ भाग भावी हानियों से बचने के लिए Work-in-Progress A/C में संचय के रूप में रखा जाता है। विभिन्न परिस्थितियों में अर्जित लाभ की राशि में कितनी राशि लाभ-हानि खाते में क्रेडिट किया जायेगा, इस सम्बन्ध में निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान देना आवश्यक होता है —

(A) जब प्रमाणित कार्य ठेका मूल्य के $\frac{1}{4}$ (25%) से भी कम हो तो ऐसी स्थिति में अर्जित लाभ का कोई भी भाग लाभ-हानि खाता में क्रेडिट करना उचित नहीं है। बल्कि सम्पूर्ण लाभ को Work-in-Progress A/C में क्रेडिट कर देना चाहिए।

(B) जब प्रमाणित कार्य ठेका मूल्य के $\frac{1}{4}$ (25%) से अधिक तथा $\frac{1}{2}$ (50%) से कम हो तब ऐसी स्थिति में निम्न प्रकार से ज्ञात लाभ की राशि को लाभ-हानि खाते में क्रेडिट किया जायेगा तथा शेष राशि को Work-in-progress A/C में दिखाया जायेगा —

$$\text{Profit to be Transferred to P/L A/C} = \text{Total Profit} \times \frac{1}{3} \times \frac{\text{Cash received}}{\text{Work Certified}}$$

(C) जब प्रमाणित कार्य ठेका मूल्य का $\frac{1}{2}$ (50%) या इससे अधिक हो तब ऐसी स्थिति में प्राप्त लाभ का $\frac{2}{3}$ भाग लाभ-हानि खाते में क्रेडिट करना उचित माना जाता है। इसकी गणना निम्न प्रकार से की जाती है —

Profit to be transferred to P/L A/C = Total Profit × $\frac{2}{3}$ × $\frac{\text{Cash received}}{\text{Work-certified}}$

Work-in-Progress A/C का निर्माण करते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखा जाता है:—

(i) Work certified का मूल्य } दोनों को दिखाना
(ii) Work uncertified का मूल्य }
(iii) इसके अतिरिक्त लाभ का वह भाग जो लाभ-हानि खाते में नहीं दिखाया गया है को भी Work-in-Progress A/c में हस्तान्तरित किया जाता है।

Work-in-Progress A/C.

Date	Particulars	Amount ₹.	Date	Particulars	Amount ₹.
	To Contract A/C:- value of Work Certified. x	x		By Contract A/C (Being Profit not taken to P/L A/C.)	x
	Cost of Work Uncertified x	x			
				By Balance c/d	
	₹.	xx		₹.	xx

तत्पश्चात् Work-in-Progress A/C के अंतर राशि को B/S में Assets भाग में दिखाया जाता है।

Balance of Work-in-Progress	xx
Less:- Advance Received from Contractee	xx
	—

Scanned with CamScanner